Roll No. ……..

MASL–205

संस्कृत साहित्य की आधुनिक प्रतिभाएँ

एम. ए. संस्कृत (एमएएसएल–12/16)

द्वितीय वर्ष, परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 60

नोट : यह प्रश्न पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. लोकरत्न गुमानी की रचनाओं पर प्रकाश डालिये।
2. श्री हरिनारायण दीक्षित द्वारा रचित महाकाव्यों की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिये।
3. श्रीकृष्ण जोशी के सामाजिक एवं राजनीतिक क्रियाकलापों पर प्रकाश डालिये।
4. बीसवीं शती के संस्कृत गीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'पुत्रेषणा' कहानी का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।
2. श्री हरिनारायण दीक्षित द्वारा रचित मुक्तक काव्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिये।
3. गढ़वाल में संस्कृत साहित्य की परम्परा पर प्रकाश डालिये।
4. बीसवीं शताब्दी के संस्कृत उपन्यासों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
5. कुमाऊँ के प्राचीन संस्कृत साहित्यकारों का परिचय दीजिए।
6. श्रीकृष्ण जोशी को प्राप्त पुरस्कार एवं सम्मान का उल्लेख कीजिए।
7. 'विक्रमचरितम्' की समीक्षा कीजिए।
8. लोकरत्न गुमानी की कृतियों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निम्नलिखित में से सही उत्तर चुनिए।

1. लोक गुमानी अनन्य भक्त थे—

   (अ) राम के

(ब) शिव के

(स) कृष्ण के

(द) इनमें से कोई नहीं

2. श्रीकृष्ण जोशी द्वारा रचित नाटकों की संख्या है—

(अ) तीन (ब) चार

(स) पाँच (द) सात

3. भुशुण्डि रामायण लिखी—

(अ) जनार्दन शास्त्री ने

(ब) तुलसीदास ने

(स) बाल्मीकि ने

(द) व्यास ने

4. 'ज्ञानभैषज्यमंजरी' रचना है—

(अ) लोकरत्न गुमानी की

(ब) श्री हरिनारायण दीक्षित की

(स) श्री शिवप्रसाद भारद्वाज की

(द) श्रीकृष्ण जोशी की

5. लोकरत्न गुमानी की माता का नाम क्या था ?

(अ) देवमंजरी

(ब) तुलसी देवी

(स) श्रीमती सुदामा देवी

(द) उत्तरा देवी

6. दीक्षितजी का नीति सम्बन्धी ग्रन्थ है—

(अ) उपदेशशती (ब) नीतिशतकम्

(स) हितोपदेश (द) उपदेशशतकम्

7. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार द्वारा दीक्षितजी को विद्या रत्नाकर सारस्वत सम्मान से सम्मानित किया गया—

(अ) सन् 2007 में (ब) सन् 2005 में

(स) सन् 2009 में (द) सन् 2011 में

8. 'शिवराजविजय' है—

(अ) उपन्यास (ब) कहानी

(स) गद्यकाव्य (द) महाकाव्य

9. 'शिवराजयविजय' रचना है—

(अ) अम्बिकादत्त व्यास की

(ब) डॉ. राजेन्द्र मिश्र 'अभिराज की'

(स) श्री हरिदत्त शर्मा की

(द) इनमें से किसी की नहीं

10. 'गोपालबन्धु' है—

(अ) कथाकाव्य (ब) गद्यकाव्य

(स) मुक्तक काव्य (द) महाकाव्य